तापमान
अधिकतम 36.3 डिग्री
न्यूनतम 23.9 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त, 2025

12 सात गोशालाओं को बांटे 45 लाख रुपये के चेक

12 कैंप में सेहत के साथ आंखों की हुई जांच दवाएं भी दी

खबर संक्षेप

हथियारों के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

समालखा। पानीपत पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने समालखा में दो बदमाशों प्रमोद पुत्र चुहड सिंह निवासी सौंधापुर, जिला पानीपत व पिकेश उर्फ राजा पुत्र राजेंद्र निवासी गांव मिढकाली, जिला मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी पिंकेश और प्रमोद ने 12 अगस्त को मॉडल टाउन में एक व्यापारी का अपहरण करने का प्रयास किया था। उप पुलिस अधीक्षक सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि दोनों आरोपियों को एक दिन के रिमांड पर लिया है।

राजकीय कॉलेज में दो कमरों का प्लास्टर गिरा

इसराना। पानीपत के गांव इसराना स्थित राजकीय कॉलेज में शनिवार को दो कमरों का प्लास्टर अचानक टूट कर गिर गया। कक्षाएं खाली होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। वहीं, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. हरिओम ने बताया कि कॉलेज का भवन 26 वर्ष पुराना है। एक साल पहले भी एक कमरे का प्लास्टर गिर चुका है। बरसात के समय छत से पानी टपकने की वजह से प्लास्टर कमजोर हो रहा है। नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। हालांकि इसमें काफी समय लग सकता है।

मंदिर के सेवादार और सहयोगी पर हमला

अंबाला। दिल्ली हाईवे स्थित एनडीआई प्लाजा के निकट हनुमान मंदिर के सेवादार स्वामी पूर्णानंद गिरि और उनके साथ मोहन गिरि पर तीन बदमाशों ने डंडों से हमला कर दिया। मारपीट की ये वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बदमाश रात वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। मारपीट में घायल पूर्णानंद और मोहन गिरि अंबाला कैंट के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन है। पूर्णानंद गिरि की बाजू में कई फ्रेक्चर तो मोहन गिरी के चेहरे और अन्य शरीर पर चोटें आई। जख्मी हालत में दोनों को अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल लाया गया। यह पूरी मारपीट की घटना मंदिर परिसर में ही लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

ऑटो पलटने से आधा दर्जन सवारियां घायल

बराड़ा। पीएनबी बैंक के पास एक ऑटो बेकाबू होकर पलट गया। हादसे के वक्त ऑटो में काफी सवारी भरी हुई थी। सूचना पर मौके पर पुलिस ने पहुंच कर घायलों को मुलाना अस्पताल भिजवाया। सुबह करीब 11 बजे एक ऑटो ड्राइवर कुछ सवारियों को लेकर रेलवे स्टेशन से लेकर मुलाना जा रहा था। पीएनबी बैंक के पास ऑटो बेकाबू होकर पलट गया। सूचना पर पुलिस और एम्बुलेंस भी मौके पर पहुंची। जहां से सभी घायलों को मुलाना के अस्पताल ले जाया गया। जहां अभी सभी घायलों का इलाज चल रहा है। ऑटो ड्राइवर काफी तेज ऑटो को चला रहा था।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर करनाल में कार्यक्रम

भारत बना अंतरिक्ष शक्ति, युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : मनोहर लाल

युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान की दिशा में बढ़ने का आह्वान

- वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 मिशन की सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की क्षमता का अहसास कराया था। आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस उसी ऐतिहासिक पल की याद दिलाता है।

उन्होंने कहा कि कभी भारत ने साइकिल और बैलगाड़ी से रॉकेट ढोकर अभियान शुरू किया था, आज वही भारत अंतरिक्ष में परचम लहरा रहा है। इसरो की उपलब्धियों पर न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया गर्व कर रही है। करनाल की बेटी कल्पना चावला ने इस दिशा में युवाओं के लिए मार्ग प्रशस्त किया। मनोहर लाल ने करनाल के युवा वैज्ञानिक दीपांशु गर्ग और ऐश्वर्य गर्ग सहित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचे शुभांशु शुक्ला को बधाई दी और कहा कि आने वाले समय में भारत की नई पीढ़ी विश्वस्तरीय खोजों में योगदान देगी। कार्यक्रम में पोस्टर, निबंध और सेमिनार प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं नशा विरोधी अभियान में योगदान देने वाली साइकिलिस्ट स्वीटी मलिक को भी मंच से विशेष सम्मान मिला। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक बिद्युत कुमार भद्रा और प्रोजेक्ट निदेशक डॉ. रितु करलीधारन ने अंतरिक्ष विज्ञान की उपलब्धियों और चुनौतियों पर व्याख्यान दिया। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग ने बताया कि अंबाला कैंट में 85 करोड़ रुपये की लागत से आर्यभट्ट विज्ञान केंद्र स्थापित किया जा रहा है।

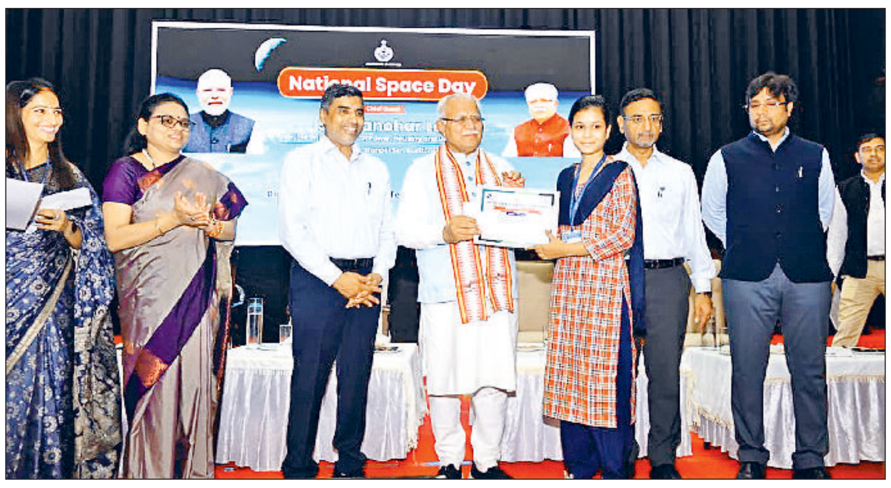

करनाल। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में छात्रा को सम्मानित करते केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

आकाश की तरह सपनों की भी सीमा नहीं : ढांडा

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि यह वैज्ञानिक सोच और भविष्य के सपनों का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बड़े सपने देखें और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करें। ढांडा ने कहा कि चंद्रयान, गगनयान और सूर्य मिशन जैसी उपलब्धियों से भारत दुनिया की अंतरिक्ष शक्तियों की पंक्ति में खड़ा हो चुका है। हरियाणा सरकार भी युवाओं को वैज्ञानिक प्रयोगशालाएं, एआई व रोबोटिक लैब जैसी सुविधाएं देकर भविष्य के लिए तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि कल्पना चावला करनाल ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर आयुक्त राजीव रतन, उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगा राम पूनिया, एसडीएम अनुभव मेहता, डीईओ सुदेश ठुकराल, मेयर रेनू बाला गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, जिला महामंत्री सुभाष कश्यप सहित गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

विस सत्र चलाने में सहयोग करे विपक्ष : राजेश नागर

- मनीषा की मौत के मामले में परिजनों की मांग पर सरकार ने सीबीआई को सौंपी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रदेश के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विधानसभा सत्र को चलाने में विपक्ष सहयोग करे। विधानसभा सत्र में जनता की मांगों और समस्याओं को रखकर उनका समाधान निकाला जाता है। ऐसी व्यवस्था में विपक्ष को समाधान के लिए सहयोग करना चाहिए।

प्रदेश की जनता अपनी समस्याओं को रखने के लिए ही अपना जनप्रतिनिधि चुनकर भेजती है। समस्याओं के समाधान होने से प्रदेश का विकास भी होगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर शनिवार को लघु सचिवालय की नई बिल्डिंग में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मंत्री राजेश नागर ने मनीषा की मौत को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं इस मामले की लगातार अपडेट ले रहे हैं। परिजनों की मांग पर मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई है। इस मामले में किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं होगी और जांच निष्पक्ष रहेगी। परिवार को न्याय मिलेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगी।

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि परिवार पहचान पत्र में सभी प्रक्रिया ऑनलाइन है। इसमें जो कागजात दिए जाते हैं, उनके वेरिफिकेशन के बाद आवेदन को मंजूर किया जा रहा है। शिकायत के निपटान की समय सीमा भी तय की हुई है। फिर भी कहीं पर समस्या मिली तो उसे दुरुस्त करवाया जाएगा। एक अन्य सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को लेकर काफी योजनाओं को ला रही है। उन्हें नशे से दूर करने के लिए अभियान चलाए जा रहे है।

ये रहे मौजूद

मंत्री राजेश नागर ने कहा कि बेसहारा पशुओं को लेकर अधिकारियों को उन्हें गौशालाओं में भेजने के लिए निर्देश दिए गए हैं। इस पर कार्रवाई चल रही है। जहां पर समस्या ज्यादा है, वहां से प्राथमिक के आधार पर गौवंशों को गौशालाओं में भेजा जाएगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति व अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला की मौत के छह माह बाद पति और सास-ससुर के खिलाफ केस दर्ज

- 26 फरवरी को संदिग्ध हालात में हुई थी विवाहिता की मौत
- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत को गला घुटना बताया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

बिलासपुर थाना क्षेत्र के गांव मियांपुर में गत 26 फरवरी को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई शबनम की मौत के मामले में पुलिस ने उसके पति व सास-ससुर को दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज किया है।

यह कार्रवाई छह माह बाद पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हुई। हालांकि शबनम की मौत पर पति द्वारा उसे सांप काटने की बात कही थी, पर अब आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट को देख डॉक्टरों ने गला घुटने को मौत की वजह माना है। गांव ताजेवाला निवासी नजीर हुसैन ने बताया कि 21 मई 2023 को बेटी शबनम की शादी गांव मियांपुर निवासी समीर के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद शबनम को उसका पति समीर, सास जरीना व ससुर इकबाल तंग कर रहे थे। नजीर ने बताया कि 26 फरवरी 2025 की शाम पांच बजे उनके पड़ोस में सूचना मिली कि शबनम ससुराल में बेहोश हो गई है। तब सीमर को फोन किया, जिसने बताया कि शबनम को सांप ने काट लिया है। तब परिवार के साथ शबनम के ससुराल पहुंचे। वहां शबनम चारपाई पर मृत अवस्था में थी। जगाधरी के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। इसकी रिपोर्ट में मौत की वजह गला घोंटने पर दम घुटने से बताई। इस पर पुलिस ने शबनम की मौत के मामले में उसके पति समीर, सास जरीना व ससुर इकबाल को दहेज हत्या के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला पुलिस की स्पेशल सेल ने एक चोर व दो कबाड़ियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई शुरु कर दी।

स्पेशल सेल के प्रभारी अनिल राणा ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक साढ़ौरा के दोसड़का चौक के नजदीक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और वह किसी चोरी की वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

यमुनानगर। एक चोर व चोरी का सामान खरीदने वाले गिरफ्तार किए गए कबाड़ी। *फोटो : हरिभूमि*

सूचना मिलते ही उन्होंने उप निरीक्षक जसविंदर सिंह, मक्खन सिंह, राज कुमार, एएसआई कुलदीप व सुरिंदर को शामिल कर टीम का गठन किया और जांच के लिए भेजा। जांच टीम ने दबिश देकर आरोपी युवक को पकड़ लिया। इस दौरान पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो उसकी पहचान साढौरा निवासी मनोज कुमार के नाम से हुई। पूछताछ में आरोपी ने चोरी करने के दो मामलों का खुल्लासा किया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर गत 17 अगस्त को प्रेम नगर साढौरा से एक दुकान से ग्राइंडर, कटर और लोहे की सीट व जून 2014 में उधमगढ़ के नलकूप से मोटर की तार चोरी की थी। उन्होंने चोरी का सामान कबाड़ी दिलबाग सिंह व डेहा बस्ती निवासी संदीप को बेचा था। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी कबाड़ी दिलबाग सिंह व संदीप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों कबाड़ियों व आरोपी युवक मनोज कुमार को अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी।

शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर ठगी

- ठगी करने वाले गिरोह के तीन सदस्य किए गिरफ्तार
- साइबर पुलिस आरोपियों से 62 लाख की कर चुकी है रिकवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

साइबर क्राइम पुलिस ठगों पर लगातार शिकंजा कस रही है। इसी कड़ी में साइबर पुलिस ने शेयर मार्केट के नाम पर करोड़ों रूपये की ऑनलाइन ठगी करने के मामले में राजस्थान से आरोपी गोबिंद को गिरफ्तार किया है।

जांच टीम ने आरोपी को दस दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपी ने बताया कि इस मामले में मुंबई के आरोपी आशीष कोठारी व चेतन भी संलिप्त हैं। पुलिस ने इन को भी मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद आरोपियों को चार दिन के ट्रांजिट रिमांड पर लेकर उनके मुख्य ठिकाने राजस्थान से 2 लाख 60 हजार रूपये व 4 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अब पुलिस ने दोनों आरोपियों को 5 दिन के रिमांड पर लिया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी। अब तक कुल 24 आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 62 लाख रूपये, मोबाइल व अन्य सामान बरामद किया जा चुका है। मामले की जांच कर रहे इंस्पेक्टर विनोद कुमार ने बताया कि पीड़ति महिला ने 20 अप्रैल 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी विक्रांत कुमार व अन्य ने उससे शेयर मार्केटिगं के नाम पर बड़ी ठगी की है। आरोपियों ने फर्जी शेयर मार्केट में ऑनलाइन निवेश करवाकर महिला को 3 करोड़ 20 लाख रुपये का चूना लगाया था। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

अंबाला। साइबर ठगी में पकड़े गए आरोपी पुलिस हिरासत में। *फोटो : हरिभूमि*

दो युवकों पर लगाया दुष्कर्म करने का आरोप

- जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई दोनों घटनाएं
- पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ किया केस दर्ज

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग स्थानों पर दो महिलाओं के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पहले मामले में युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ रेप किया तथा दूसरे मामले में युवक ने प्रेम जाल में फसाकर महिला को होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस ने दोनों मामलों की जांच के बाद आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी 35 वर्षीय महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 2021 में विष्णु नगर निवासी राहुल के साथ मुलाकात हुई। राहुल ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद आरोपी उसे कहने लगा कि वह उससे शादी करना चाहता है। जनवरी 2021 को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए गई तो आरोपी उसे त्यागी गार्डन कॉलोनी स्थित एक घर में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसके साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी गत जुलाई माह तक उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ गलत काम करता रहा। जब उसने आरोपी को शादी करने के लिए कहा तो आरोपी ने उसे शादी करने से मना कर दिया। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत थी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

होटल में ले जाकर किया दुष्कर्म

करनाल निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी अंकित के साथ दोस्ती थी। गत 18 मई को आरोपी ने उसे यमुनानगर मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए आई तो आरोपी उसे शहर के कन्हैया साहब चौक स्थित एक होटल में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसे रात भर अपने साथ रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद भी आरोपी उस पर गलत नजर रखने लगा। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अंकित के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कश्मीर में धर्म की पुनः स्थापना की कामना में कार्यक्रम आज : पंकज

कश्मीरी हिंदुओं के निमित्त होगा कुरुक्षेत्र तीर्थाटन

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे कार्यक्रम में मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कश्मीर में धर्म की पुनः स्थापना एवं कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास की कामना के निमित्त रविवार को धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में कुरुक्षेत्र-कश्यप तीर्थाटन-2025 का आयोजन किया जाएगा।

कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा के तत्वावधान में गीता ज्ञान संस्थानम में आयोजित होने वाले इस समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे। जबकि गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज समारोह की अध्यक्षता करेंगे। शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा के संरक्षक पंकज धर ने बताया कि इस समारोह में देशभर से कश्मीरी हिंदू भाग लेंगे। हवन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। कश्मीरी हिंदू परिवारों के लोग अपनी संस्कृति को सहेजने एवं देश के दूसरे लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। प्रकोष्ठ के मीडिया प्रभारी अमित रैना ने कहा कि कश्मीरी हिंदुओं के साथ अन्याय हुआ है। इस विश्व में न्याय की स्थापना करने वाले भगवान श्रीकृष्ण की धरती पर हम सब उनसे कामना करेंगे कि वह फिर से कश्मीर में धर्म की स्थापना करने और कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास के निमित्त बनकर आएं।

कुरुक्षेत्र। पत्रकार वार्ता करते कश्मीरी हिंदू प्रकोष्ठ हरियाणा के संरक्षक पंकज धर।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की भी सहभागिता होगी

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि इस समारोह में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की भी सहभागिता होगी। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी भी भागीदारी करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संस्कार व संस्कृति का पुनर्जागरण है। यह हमारा सौभाग्य है कि यह कार्यक्रम कुरुक्षेत्र में हो रहा है। मीडिया प्रभारी अमित रैना ने बताया कि इस आयोजन का विशेष केंद्रबिंदु रानी यशोमती संबंध होगा, एक ऐसा विषय जो कश्मीर को भारतवर्ष में पार्वती की पावन भूमि के रूप में रेखांकित करता है।

सिलेंडर से गैस चोरी के आरोप में एजेंसी का मालिक गिरफ्तार

- पुलिस ने कच्ची जमानत पर किया रिहा, पकड़े गए कर्मचारी ने किया खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला के पटेल नगर स्थित एक गोदाम में चल रहे गैस सिलेंडरों से चोरी मामले में अब पुलिस ने गार्गी गैस एजेंसी के संचालक रविंद्र को गिरफ्तार किया है।

पुलिस रविंद्र को ही पूरे मामले का मास्टर माइंड बता रही है। पहले पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया कि रविंद्र एजेंसी के सिलेंडरों को ही करिंदे के जरिए बैंक कॉलोनी के सुरेंद्र के जरिये पटेल नगर के एक घर में पहुंचाता था। यहां पर सुरेंद्र घरेलू, कमर्शियल सिलेंडरों से मशीनों के जरिये गैस चोरी करता था। यह मशीन के जरिये अलग-अलग सिलेंडर से तीन से चार किलो गैस निकाल लेते थे। इसके बाद सिलेंडर में पानी भर दिया करते थे। पुलिस की मानें तो आरोपी सुरेंद्र से हुई पूछताछ में ये खुलासा हुआ है। करधान पुलिस ने एजेंसी के मालिक रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में कच्ची जमानत पर रिहा करते हुए जांच शुरू कर दी। बता दें कि पुलिस ने सूचना मिलने के बाद 19 अगस्त को कैंट के पटेल नगर स्थित एक मकान में दबिश दी थी।

मौके पर पुलिस ने 116 सिलिंडर बरामद किए थे। इनमें 46 कमर्शियल में से 26 भरे व 20 खाली व 50 घरेलू में से 45 भरे व 5 खाली व 5 किलो वाले 20 में से 18 भरे व 2 खाली सिलेंडर मिले थे। मौके पर आरोपी सुरेंद्र भी पकड़ा गया था। जब्त सिलेंडर भारत गैस के थे।

खबर संक्षेप

जानकारी देते हुए सीजेएम डॉ. इरम हसन।

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 को

करनाल। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. इरम हसन ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में 13 सितम्बर को न्यायिक परिसर करनाल व सब डिवीजन इंद्री, असंध व घरौंडा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। सीजेएम ने बताया कि इस लोक अदालत में आम नागरिक आपसी सुलह व समझौता के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने लंबित मुकदमों का निपटारा करा सकते हैं। डॉ. इरम हसन ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर दुर्घटना अधिनियम, फौजदारी, दिवानी, चालान, वैवाहिक एवं पारिवारिक मुकदमे इत्यादि का निपटारा किया जाएगा।

जी टी रोड के टी-पॉइंट से लेकर ओवरब्रिज तक जाने वाली रोड जर्जर

श्री खाटू शयाम लखदातार परिवार तरावड़ी की टी-पॉइंट-लिंक रोड़ बनवाने की मांग

तरावड़ी। श्री खाटू शयाम लखदातार परिवार तरावड़ी चेयरमैन प्रमोद बंसल व विनीत बंसल। *फोटो : हरिभूमि*

तरावड़ी। जी टी रोड़ के टी-पॉइंट से लेकर ओवरब्रिज तक जाने वाली रोड़ की दुर्दशा। *फोटो : हरिभूमि*

बरसात की वजह से दलदल बनी सड़क इसकी वजह से वाहन हुए क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

जी टी रोड़ के टी-पॉइंट से लेकर ओवरब्रिज तक जाने वाली रोड़ पिछले कई महीनों से खराब है। जगह जगह पर इस सडक़ पर अनेक गड्ढे है और बरसात की वजह से दलदल बनी हुई। इसकी वजह से कई भारी वाहन व दोपहिया चालक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके है। बता दें जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा इस रोड़ पर सीवरेज पाइप डाले थें।

उन पर केवल मिट्टी डालकर उसको बंद कर दिया था। जिसकी वजह इस सडक़ की यह दुर्दशा हो गई है। शहरवासी काफी परेशान है। श्री खाटू शयाम लखदातार परिवार तरावड़ी की ओर से 27 अगस्त से 1 सितम्बर तक बाबा खाटू श्याम जी मूर्ति प्रतिष्ठा का भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। यह हमारे शहर के लिए गर्व और गौरव की बात है कि इस अवसर घर दूर-दराज़ से हजारों की संख्या में श्रद्धालु तरावड़ी पधारेंगे, अनेक वी आई पी, गणमान्य व्यक्ति भी सम्मलित होंगे।

परंतु खेद है कि तरावड़ी टी-पॉइंट से लेकर मंदिर तक जाने वाली सडक़ पर अनेक गड्ढे हैं तथा सफाई की उचित व्यवस्था भी नहीं है। इस कारण श्रद्धालुओं और आगंतुक गणमान्यों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है और इससे तरावड़ी की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जो किसी भी प्रकार से उचित नहीं है। श्री खाटू शयाम लखदातार परिवार तरावड़ी चेयरमैन विनीत बंसल ने विधायक भगवानदास कबीरपंथी, जिला प्रशासन से अपील की है कि इस सडक़ की मरम्मत एवं सफाई का कार्य तत्काल करवाने की कृपा करें, जिससे श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को सुगम व सुरक्षित मार्ग प्राप्त हो सके और यह धार्मिक व सांस्कृतिक महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हो। सम्पूर्ण नगरवासी हृदय से आभारी रहेंगे।

करनाल। राजपूत सभा के कार्यकारिणी बैठक में हिस्सा लेते पदाधिकारी।

महाराणा प्रताप भवन के मुख्य गेट और हाल का आज होगा उद्घाटन

- राजपूत सभा करनाल की आम सभा की बैठक 24 अगस्त को, राजपूत सभा के आगामी चुनावों पर भी होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

महाराणा प्रताप स्मृति भवन समिति (राजपूत सभा) करनाल की आम सभा की बैठक का आयोजन 24 अगस्त को किया जाएगा। महाराणा प्रताप भवन के मुख्य गेट और नवनिर्मित हाल का उद्घाटन भी किया जाएगा।

शनिवार को राजपूत सभा की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन भी किया गया इसमें भी इन विषयों पर जानकारी दी गई। राजपूत सभा के अध्यक्ष डॉक्टर एन.पी सिंह तथा महासचिव एडवोकेट बृजपाल राणा ने बताया कि यह निर्णय समिति की कार्यकारिणी की बैठक में बीती 8 अगस्त को सर्वसम्मति से लिया गया था। उन्होंने कहा कि इस आम सभा को संगठन के आगामी चुनावी दिशा-निर्देशों और भवन विकास से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। आम सभा की बैठक महाराणा प्रताप भवन, सेक्टर-8 करनाल में सुबह 10 बजे शुरू होगी। समिति ने सभी सम्मानित सदस्यों से समय पर उपस्थिति दर्ज करवाने की अपील की है ताकि सभा को सफल और ऐतिहासिक बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य एजेंडा आगामी चुनाव व संगठन में नई कार्यकारिणी के चुनाव की तैयारी पर मंथन होगा। वहीं सेक्टर-8 स्थित धर्मशाला के मेन गेट, नवनिर्मित हाल का उद्घाटन होगा तथा वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप जी की भव्य प्रतिमा के उद्घाटन संबंधी कार्यक्रम पर विचार-विमर्श और निर्णय लिया जाएगा।

प्राकृतिक खेती की दी जानकारी

- हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी द्वारा प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

करनाल। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा शनिवार को प्रशिक्षण कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल के बागवानी महाविद्यालय अंजनथली में प्राकृतिक खेती पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शनिवार को विधिवत समापन हुआ है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर एमएचयू के माननीय कुलपति प्रो सुरेश मल्होत्रा ने विशेषतौर से शिरकत की। मुख्य अतिथि द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए प्राकृतिक खेती की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि मृदा स्वास्थ्य और जैव विविधता को बढ़ाकर, रसायन मुक्त प्रथाओं के माध्यम से लागत को कम करके और स्वस्थ, सुरक्षित भोजन का उत्पादन करके पर्यावरण, किसानों और उपभोक्ताओं के लिए लाभ प्रदान करती है। वर्तमान में फसलों में अत्याधिक रसायनों, उर्वरकों का प्रयोग हो रहा है, जो मानव के स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के लिए अहितकारी है। इसलिए आज बहुत जरुरी हो जाता है कि किसान ऐसी खेती करें, जो न केवल किसान की भलाई के लिए उपयुक्त हो बल्कि लोगों के स्वास्थ्य, पर्यावरण के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति के लिए हितकारी हो। इसलिए समय की आवश्यकता प्राकृतिक खेती की है, जो कृषि पारिस्थितिकी प्रणाली को संतुलित करती है। कार्यशाला में पहुंचने पर महाविद्यालय डीन प्रो. रमेश गोयल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मौके पर एमएचयू के

पाकिस्तानी नंबर से मांगी दो करोड़ रुपये की रंगदारी

हरिभूमि न्यूज़ करनाल

शहर के सेक्टर-13 अर्बन एस्टेट में रहने वाले एक प्रमुख कारोबारी को अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप कॉल और मैसेज कर 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। आरोपी ने धमकी भरे संदेशों के साथ कारोबारी के बेटे की तस्वीर भी भेजी और चेतावनी दी कि यदि रकम समय पर नहीं दी गई तो बेटे को जान से मार दिया जाएगा। मामला सामने आने के बाद पूरे कारोबारी वर्ग में दहशत फैल गई है। सेक्टर 13 निवासी कारोबारी पुरुषोत्तम बंसल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 8 अगस्त को सुबह करीब 11:18 बजे उनके मोबाइल नंबर पर एक व्हाट्सएप कॉल आई। इसके बाद लगातार उसी नंबर से मैसेज आने लगे। मैसेज में आरोपित ने साफ लिखा कि "2 करोड़ रुपये दो, वरना परिवार को जान से मार देंगे।" आरोपी ने परिवार की तस्वीरें भी व्हाट्सएप चैट पर भेजीं और कहा कि उनका बेटा उसकी नजर में है। बंसल ने बताया कि धमकी आने के बाद वे बेहद डर गए और तुरंत संदिग्ध नंबर को ब्लॉक कर दिया। हालांकि, उन्होंने समय रहते उन संदेशों के स्क्रीनशॉट सुरक्षित कर लिए और पुलिस को सौंप दिए। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि यह व्हाट्सएप नंबर पाकिस्तान का बताया जा रहा है।

कारोबारी ने मांगी सुरक्षा

शिकायतकर्ता ने कहा कि उनका बेटा काम के सिलसिले में लगातार बाहर शहरों में आता-जाता रहता है। ऐसे में उसकी सुरक्षा को लेकर परिवार गहरी चिंता में है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है।

हत्या के तीन आरोपी किए गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ करनाल

जिला पुलिस ने हत्या के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। एक ओर थाना असंध पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते हुए झगड़े में हत्या के मामले में दो आरोपियों को काबू किया, वहीं दूसरी ओर थाना मुनक पुलिस ने मामूली कहासुनी के बाद हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को पकड़ लिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लेने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

थाना असंध प्रबंधक निरीक्षक नसीब सिंह ने बताया कि 20 अगस्त को गांव उपलाना में दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश के चलते झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में एक पक्ष ने सुमेर चंद और उसके परिवार पर हमला कर दिया। हमले में सुमेर चंद की मौत हो गई थी, जबकि उसके परिवार के सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस घटना के बाद थाना असंध में दिनांक 21 अगस्त को मुकदमा नंबर 461 दर्ज किया गया, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 115, 190, 191(3), 351(2) के तहत मामला पंजीकृत किया गया। इस प्रकरण में कुल 21 आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ था।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गांव उपलाना निवासी शीशपाल पुत्र देशराज और सोनू पुत्र कर्म सिंह को असंध क्षेत्र से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें चार दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। थाना प्रबंधक नसीब सिंह ने कहा कि रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से वारदात से जुड़ी अहम जानकारी जुटाई जाएगी और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

इसी प्रकार, थाना मुनक पुलिस ने शुक्रवार को खेतों में हुई मामूली कहासुनी के बाद हत्या की वारदात को सुलझाते हुए आरोपी मोहित उर्फ मोलड़ उर्फ मोनू पुत्र नारायण निवासी गांव मोर माजरा को गिरफ्तार कर लिया।

यह था विवाद

प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ कि शुक्रवार दोपहर खेतों में आपसी कहासुनी और गाली-गलौच के बाद आरोपी मोहित ने गुस्से में आकर दलसिंह पुत्र नफे सिंह पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आरोपी ने सिर और पैरों पर वार किए, जिससे दलसिंह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। इस मामले में थाना मुनक में मुकदमा नंबर 231, दिनांक 23 अगस्त को दर्ज किया गया, जिसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 103(1) के तहत कार्रवाई की गई। थाना प्रबंधक बृजपाल ने बताया कि आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह वारदात आपसी कहासुनी और गुस्से का परिणाम थी, लेकिन पुलिस इसे गंभीरता से लेकर जांच कर रही है ताकि घटना से जुड़े सभी पहलू सामने आ सकें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली

तरावड़ी। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष व हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य ने कहा कि भाजपा हरियाणा में शिक्षा का स्तर शून्य तक पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। आज प्रदेश में शिक्षा को एक व्यवसाय बनाकर छोड़ दिया गया है जहां पर गरीबों के बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित करने की साजिश की जा रही है। नई शिक्षा नीति लागू करने का कोई औचित्य नही रहेगा जब प्रदेश में विद्यार्थियों को कालेज की कमी से जूझना पड रहा हो। हालात ये है कि तरावड़ी में पिछले 11 वर्षों से सरकार एक कॉलेज का निर्माण नहीं करा पाई जिस से ये साफ़ हो जाता है की बीजेपी सरकार शिक्षा के प्रति कितनी गंभीर है। वैध ने कहा की नीलोखेड़ी विधानसभा के जनप्रतिनिधि इसके लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है और वे अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर हुई कार्यशाला

- प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में वरिष्ठ नागरिक दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ तरावड़ी

तरावड़ी। कार्यक्रम मे भाग लेते प्रताप स्कूल के बच्चे। *फोटो : हरिभूमि*

प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों ने वरिष्ठ नागरिकों के योगदान, अनुभव तथा समाज में उनकी महत्ता को समझाया। छात्रों ने इस समारोह में सर्वप्रथम एक कविता के द्वारा उनके जीवन को सजग किया। हमारे जीवन में उनका सहयोग कितना सराहनीय है इस कथन पर प्रकाश डाला गया। छात्रों ने एक नाट्य प्रस्तुति की जो भावनाओं तथा सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रही। नाटक के द्वारा छात्रों ने एक परिवार के विभिन्न किरदारों को निभाते हुए संदेश दिया कि हमारा जीवन अपने बुजुर्गों के बिना अधूरा है। आरंभ से अंत तक का समा बहुत ही सकारात्मक रह। एक व्याख्यान मे छात्र ने यह भी समझाया कि हमारे जीवन में हमारे बुजुर्ग सबसे अनमोल है। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शक भावनाओं से जुड़े रहे। स्कूल के प्रधानाचार्य विकास उत्तरेजा ने कहा कि हमें अपने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए।वह हमारे जीवन को नींव देते है। यह दिन हमें उनके अनुभवों और ज्ञान से सीखने का अवसर देता है। इस उपलक्ष्य में स्कूल के चेयरपर्सन हन्नी चौधरी व निर्देशिका पिथी चौधरी ने समझाया कि हमें अपने वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताने और उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। उनकी भूमिका हमारे जीवन में अहम और सम्माननीय है। बुजुर्गों की आवाज़ को सिर्फ सम्मान देने तक सीमित न रखते हुए, उन्हें नीति निर्माण और सामाजिक निर्णयों में सक्रिय रूप से शामिल करना चाहिए।

छात्रों को बताए नशे के दुष्प्रभाव

- दयाल सिंह पब्लिक स्कूल में नशा मुक्ति पर हुआ व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, दयाल सिंह कॉलोनी करनाल में नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के इनचार्ज अवेयरनेस प्रोग्राम एवं रिहैबिलिटेशन, डॉ. अशोक कुमार वर्मा (उप निरीक्षक) ने नवमी एवं दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को संबोधित किया।

डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने अपने प्रेरक और प्रभावशाली व्याख्यान में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि उसका पारिवारिक और सामाजिक जीवन भी बुरी तरह प्रभावित होता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे सकारात्मक जीवन जीएं और किसी भी गलत संगति या दबाव में न आएं। विद्यालय की प्राचार्या सुषमा देवगन ने पौधा भेंट कर डॉ. वर्मा का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और जिस प्रभावी ढंग से बच्चों को जागरूक किया गया है, उससे विद्यार्थी जीवनभर नशे से दूर रहने का संकल्प अवश्य लेंगे। एनसीसी अधिकारी डॉ. केवल कृष्ण ने बताया कि डॉ. अशोक वर्मा समाजसेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

हेल्थ कैंप में जांचा लोगों का स्वास्थ्य

- दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर 7 में हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

भारत विकास परिषद माधव शाखा की महिला सहभागिता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुजाता गुप्ता के सहयोग से दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर-7 करनाल में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पॉक्सो एक्ट के प्रति जागरूक किया गया और क्राफ्ट वर्क का प्रशिक्षण भी दिया गया। शिविर में डॉ. चारू बत्तरा ने लगभग 100 बच्चों का हीमोग्लोबिन परीक्षण किया जबकि डॉ. सोनम सचदेवा ने बच्चों को पॉक्सो एक्ट से अवगत कराते हुए उन्हें सावधान रहने की प्रेरणा दी। सोनाली ने बच्चों को क्राफ्ट वर्क की जानकारी दी। सामाजिक कार्यकर्ता सुजाता गुप्ता ने कहा कि बच्चियों के प्रति अपराधों में वृद्धि चिंताजनक है। इसकी रोकथाम के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को जागरूक करना आवश्यक है। विद्यालय की प्राचार्या शालिनी नारंग ने भारत विकास परिषद माधव शाखा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. सुचेता गुप्ता, साधना सिंगला, राजिंद्र मोहिनी, मुक्ता जैन, कविता चोपड़ा और सुषमा चव्हाण ने सक्रिय भूमिका निभाई।

गांव अलीपुर खालसा के सरकारी स्कूल में पहुंचे एसडीएम

सरकारी स्कूल में जलभराव का उठाया मुद्दा

- गांव के लोगों ने भी एसडीएम के हस्तक्षेप का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ घरौंडा

गांव अलीपुर खालसा के सरकारी स्कूल में जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर शनिवार को एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तेज बारिश के बाद स्कूल के कमरों और ग्राउंड में पानी भर जाने से पढ़ाई पूरी तरह बाधित हो गई। सुबह की बारिश के बाद स्कूल परिसर में पानी भरने से अधिकांश बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाए। जो बच्चे पहुंचे भी, उनके जूते, वर्दी और किताबें पानी में भीग गए। स्कूल के अध्यापकों ने बताया कि यह समस्या हर बरसात में सामने आती है, लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही। कई घंटों तक पानी स्कूल के अंदर जमा रहा जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ। शिक्षकों ने एसडीएम को बताया कि स्कूल के बाहर बनी सड़क को ऊंचा कर दिया गया है। इस वजह से बारिश का पानी सीधे स्कूल के अंदर घुस जाता है। वहीं स्कूल में पानी निकासी के लिए लगाया गया यंत्र जमीन से काफी ऊंचाई पर है, जिसके चलते वह भी निष्प्रभावी साबित हो रहा है। इसके अलावा स्कूल के पास से गुजरने वाला नाला भी लगातार ओवरफ्लो रहता है, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती। गांव के लोगों ने भी एसडीएम के हस्तक्षेप का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का अब स्थायी समाधान हो सकेगा।

एसडीएम ने जलभराव से निपटने के दिए निर्देश

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम राजेश सोनी ने तुरंत बीडीपीओ घरौंडा को मौके पर बुलाकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आदेश दिया कि स्कूल के पास बने नाले की तुरंत सफाई करवाई जाए और निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए ताकि बच्चों को भविष्य में इस समस्या का सामना न करना पड़े। एसडीएम ने स्पष्ट कहा कि समस्या का समाधान तुरंत प्रभाव से होना चाहिए, ताकि बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य प्रभावित न हो।

खबर संक्षेप

विश्व बंधुत्व दिवस पर 60 नागरिकों ने रक्तदान किया

इसराना। विश्व बंधुत्व दिवस पर ब्रह्मा कुमारीज ज्ञान मानसरोवर पानीपत द्वारा ज्ञान मानसरोवर गांव थिराना में श्रद्धांजलि अभियान 2025 आपका रक्त जीवन का वरदान नामक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति में किया गया। शिविर में लायंस क्लब, रोटरी इंटरनेशनल तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का विशेष योगदान रहा। शिविर का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करते हुए रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों को जीवनदान प्रदान करना है। शिविर राजयोगी बीके भारत भूषण की देखरेख में आयोजित किया गया। शिविर में 60 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। शुभ कार्य का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया। वक्ताओं ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक बूंद रक्त किसी के जीवन को बचा सकता है। आशा जगा सकता है और मानवता की डोर को और मजबूत कर सकता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रिफाइनरी की शाखा आईएसआरएल के वरिष्ठ महाप्रबंधक मुकेश शर्मा उपस्थित रहे।

शिक्षक व अभिभावकों की हुई बैठक

पानीपत। आर्य बाल भारती विद्यालय परिसर में शिक्षक व अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विद्यालय के प्रधान रणदीप आर्य, कोषाध्यक्ष महताब मलिक, मीडिया प्रभारी ओम दत्त आर्य के अलावा सभी अध्यापकों और अभिभावकों ने भाग लिया। प्रधान रणदीप आर्य ने कहा कि बच्चों के नैतिक और शैक्षिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए स्कूलों में हर शनिवार को शिक्षक व अभिभावक बैठक का आयोजन किया जाता है ताकि छात्र की विषय विशेष में रुचि, स्वास्थ्य और नैतिक विषय पर गहन चर्चा और मंथन किया जा सके।

कामरेड सुधाकर को श्रद्धांजलि दी

पानीपत। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के संघर्षशील नेता पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व सांसद का.एस सुधाकर रेड्डी का निधन हो गया। का.एस सुधाकर रेड्डी को भाकपा जिला सचिव पवन सैनी एडवोकेट ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कहा कि हम उनकी स्मृतियों को संजोकर रखेंगे और मजदूर वर्ग, किसानों और भारत की जनता के संघर्षों के साथ भारत में समतामूलक समाज के लिए उनके सपनों को आगे बढ़ाने के लिए उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराते हुए जन संघर्षों में जीवन यापन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नशे से दूर रहने की शपथ ली

पानीपत। केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान को कामयाब करने की दिशा में प्रदेश की अग्रणी सामाजिक संस्था फैला उजियारा फाउंडेशन के प्रयास से डाहर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में शनिवार को स्कूल के विद्यार्थियों व स्टाफ के सदस्यों को फाउंडेशन अध्यक्ष कुमारी रंजीता कौशिक ने नशा मुक्ति अभियान के तहत शपथ दिलाई व नशे से दूर रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रिंसिपल राजेश, जगबीर, मुकेश खर्ब, विजयपाल, देवामित्र, अजमेर, मधुबाला, ममता, संगीता, अनिल खरब, रेखा, रीटा, रितु, मीनू अभिरुची, सनैना, अनिता पिंकी, कांता, मनीषा, सुनील कुमारी आदि उपस्थित रहे।

■ नशे से दूर रहने के लिए लोगों से आह्वान किया

नशे के विरूद्ध जागरूक किया

पानीपत। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा नशा मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर कार्य कर रहे हैं। इस कड़ी में दो विद्यालयों में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किए गए। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री कृष्ण ने हरियाणा गोशाला महासंघ को निजीकोष से गाडी भेंट की

गो सेवा, पालन व रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्यः पंवार

हरियाणा सरकार और गो सेवा आयोग गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इसराना

पानीपत। गोशाला महासंघ के पदाधिकारीगण मंत्री कृष्ण लाल पंवार को फूल भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को गांव मडलौडा स्थित अपने कार्यालय पर हरियाणा गोशाला महासंघ को अपने निजी कोष से एक बोलेरो गाड़ी झंडी दिखाकर सौंपी। इस अवसर पर हरियाणा गोशाला संघ के प्रधान जगदीश सिंह मलिक, रोकड़ बैंक के अध्यक्ष अनिल पंवार, राजरूप पन्नू, कुलबीर खर्ब सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह की अगुवाई में हरियाणा सरकार ने प्रदेश में गो रक्षा और गो संवर्धन की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हरियाणा सरकार और गो सेवा आयोग गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। गोशालाओं में सोलर संयंत्र लगाए जा रहे हैं। सरकार द्वारा गाशालाओं को गायों के चारे और शेड निर्माण समेत विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता भी व्यापक पैमाने पर दी जा रही है। वहीं मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने इस मौके पर अपने निवास पर इसराना विधानसभा के लोगों की समस्याओं को भी सुना और फोन पर संबंधित अधिकारियों को उन समस्याओं को दूर करने के निर्देश भी दिए।

इस मौके पर लोगों ने बिजली, पानी, फिरनी व अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं मंत्री के समक्ष रखी। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि इसराना विधानसभा में विकास कार्यों में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी और अधिकारियों की भी विशेष तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों की समस्याओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर हल करें।

भाजपा सरकार के शासन में सुखी हो रहा है हर वर्गः लाल

■ भाजपा के थर्मल व मडलौडा मंडल की कार्यकारणी की बैठक आयोजित

पानीपत। भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मंत्री कृष्ण लाल पंवार। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

भाजपा ने शनिवार को गांव भालसी स्थित लक्ष्मी फीलिंग स्टेशन पर थर्मल व मडलौडा मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों मंडलों के सभी पदाधिकारियों सहित प्रदेश के विकास एवं पंचायत तथा खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान भाजपा पार्टी के संकल्प पत्र और पार्टी का ग्रामीण स्तर पर हर गांव में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने पर विचार-विमर्श किया गया। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंडलों के सभी पदाधिकारी सरकार की योजनाओं के साथ साथ आमजन में यह भी संदेश पहुंचाएं कि भाजपा पार्टी ही हर गरीब का भला कर सकती है।

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा की सरकार ने आमजन के हित के लिए देश व प्रदेश में जो भी फैसले लिए है। उन्होंने इतिहास रचने का कार्य किया है। वर्तमान में केवल भाजपा पार्टी का संगठन ही जनहित में कार्य कर रहा है। भाजपा की सरकार ने अनेकों योजनाओं का लाभ हर गरीब एवं पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया है। मंत्री पंवार ने कहा कि वर्तमान में हर पात्र युवा को मैरिट के आधार पर नौकरियां देने का काम सरकार कर रही है। इस अवसर पर भाजपा नेता स.अमरजीत सिंह कोहली, मेघराज गुप्ता, ईश कुमार राणा, थर्मल मंडल के अध्यक्ष योगेश भादड़, मडलौडा मंडल के अध्यक्ष रविन्द्र पंडित, कृष्ण खर्ब, कप्तान व दिनेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

पीएनबी एक्सपोर्ट एक्सपो आयोजित

एक्सपोर्ट को बढ़ावा दे रहा है पीएनबीः मेयर सैनी

■ एक्सपोर्टर्स की समस्याओ का भी समाधान बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। पीएनबी एक्सपोर्ट एक्सपो में मुख्यातिथि मेयर कोमल सैनी का स्वागत करते हुए अधिकारीगण। फोटो : हरिभूमि

पंजाब नेशनल बैंक की स्थानीय शाखा के तत्वावधान में डेज होटल में पीएनबी एक्सपोर्ट एक्सपो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पीएनबी द्वारा एक्सपोर्टर्स के लिए चलाई जा रही स्कीम के बारे में लोगों को अवगत कराना था। वहीं, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि महापौर कोमल सैनी ने भाग लिया। इधर, मेयर कोमल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम निरंतर करते जाने चाहिए और पंजाब नेशनल बैंक देश का सबसे पुराना बैंक होने के नाते हर प्रकार से उद्योगपतियों को सुविधा प्रदान करता रहा है। कार्यक्रम में पीएनबी प्रधान कार्यालय से सहायक महाप्रबंधक गौरव पंत वशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उन्होंने पीएनबी द्वारा एक्सपोर्टर्स के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया और एक्सपोर्टर्स की समस्याओ का भी समाधान बताया। कार्यक्रम में धनंजय झा ने ईसीजीसी द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में मंडल कार्यालय से मंडल प्रमुख अभय कुमार के अलावा पानीपत के ज्यादातर प्रमुख एक्सपोर्टर्स ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसमें कुछ कारोबारी ऐसे भी थी जो की पीएनबी के साथ 30 सालों से जुड़े है। उन्होंने पीएनबी की सर्विस की तारीफ की।

नौ सितम्बर से भव्य रामलीला का होगा मंचनः रोकी

लाडवा। जय भारत कला मंच की एक विशेष बैठक लाडवा में हुई, जिसकी अध्यक्षता मंच के प्रधान द्वारा की गई। बैठक में 9 सितंबर से शुरू होने वाली रामलीला को लेकर विचार-विमर्श किया तथा रामलीला के आयोजन को सफल बनाने के लिए मंच के सदस्यों की ड्यूटियां भी लगाई गई। जानकारी देते हुए रोकी शर्मा ने बताया कि हर वर्ष भी भांति इस वर्ष भी मंच 9 सितम्बर से भव्य रामलीला का मंचन करने जा रही है। रामलीला का मंचन संगम मार्किट में नजदीक सुगनी देवी स्कूल के पास होगा। जय भारत कला मंच वर्षों से लाडवा में लगातार धार्मिक व सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। मंच के सभी सदस्य निस्वार्थ सेवा भावना से प्रभु श्रीराम की प्रेरणा से सात्विक तरीके से रामलीला का मंचन करते है। रामलीला में लाडवा सहित आस-पास के गांवों से भारी संख्या में लोग रामलीला मंचन का आनंद लेने पहुंचते है।

समाज पर कलंक है कन्या भ्रूण हत्या

आशा वर्कर्स यूनियन अभियान चलाएगी

पानीपत। आशा वर्कर्स की बैठक को संबोधित करते हुए वक्ता। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा संबंधित सीटू एवं एसकेएस जिला कमेटी के नेतृत्व में गीता कॉलोनी स्थित कार्यालय में कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जिला सेमिनार आयोजित की गई। सेमिनार की अध्यक्षता यूनियन की जिला अध्यक्ष बंटी ने और संचालन जिला सचिव सुशीला ने किया। यूनियन की राज्य उपाध्यक्ष प्रवेश ने कहा कि हमारे देश में हरियाणा के लिए कन्या भ्रूण हत्या बड़ा अभिशाप है और सामाजिक बुराई है। आशा वर्कर्स यूनियन राज्य कमेटी में निर्णय लिया है कि 1 सितंबर से लेकर 27 सितंबर भगत सिंह जयंती तक एक महीना लंबा हरियाणा के 22 जिलों में कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान का समापन शहीद भगत सिंह जयंती पर 27 सितंबर को कुरुक्षेत्र मुख्यमंत्री के शहर में किया जाएगा। इस अवसर पर सीटू जिला प्रधान सुनील दत्त, अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉ.सुरेंद्र मलिक, सचिन राजपाल, प्रीतम रावल, जयभगवान, नवीन सपरा, शीतल, मनजीत व सीमा शर्मा आदि ने विचार रखें।

केंद्रीय मंत्री ने आर्यन व शगुन को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। राजकीय स्कूल बडौली के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के अवसर पर मंगलसेन ऑडिटोरियम करनाल में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव बड़ौली के छात्रों ने जिला स्तरीय पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में प्रथम और तृतीय पुरस्कार जीतने पर सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता में आर्यन ने प्रथम स्थान और शगुन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया था। जिसके लिए करनाल के मंगलसेन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढान्डा ने विजेता बच्चे आर्यन को पांच हजार रुपए और शगुन को दो हजार रुपए और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ओम सिंह राणा, ललित कला प्राध्यापक प्रदीप मलिक, मधुबाला, रविन्द्र सिंह, दीपिका धवन, प्रीति दुहन, विजेन्द्र सिंह, उमेद सिंह, खुशीराम, सुनील कुमार, बलविंद्र सिंह आदि ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई और उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

नशे की लत इंसान के जीवन को अंधकारमय कर देती हैः डॉ. वीना

पानीपत। हिमगिरि स्कूल में अतिथियों के साथ विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

■ हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन ने नशे व लैंगिक उत्पीडन के खिलाफ जागरूक किया

हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में एंटी सेक्सुअल हरासमेंट एवं नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विशेष काउंसलिंग सेशन का आयोजन हिमगिरि स्कूल समालखा में किया गया।

इस अवसर पर छात्रों को नशे के दुष्परिणामों तथा लैंगिक उत्पीड़न से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किरण मलिक राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा, डॉ.वीना अरोड़ा हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन, भावना जैन भाजपा जिला सचिव महिला प्रकोष्ठ, दयानंद खुंगर अध्यक्ष कला संस्कृति एवं राष्ट्रहित हिंदू वेलफेयर फाउंडेशन हरियाणा, डॉ.गजेन्द्र दहिया भाजपा पानीपत एवं मीडिया सलाहकार उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नशा युवाओं को अंधकार की ओर ले जाता है और समाज को खोखला करता है। उन्होंने छात्राओं को लैंगिक उत्पीड़न से सजग रहने और आत्मरक्षा के लिए सदैव तैयार रहने की प्रेरणा दी।

नारी कल्याण समिति ने निर्धनों को राशन बांटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

नारी कल्याण समिति की मुख्य कार्यकारिणी सदस्य निशा गर्ग द्वारा शनिवार को हुडा 13-17 सेक्टर में जरूरतमंदों को राशन बांटा गया। समिति की संरक्षिका कुसुम गुप्ता, प्रधान कंचन सागर ने संयुक्त रूप से उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि जरूरतमंदों, असहाय लोगों की सेवा करके जो मन को सुकून मिलता है उसे शब्दों में ब्यान करना कठिन है। वह ही दूसरों की मदद कर सकता है, जो दर्द के एहसास को समझता है। उन्होंने कहा कि समाज की निष्काम सेवा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। वहीं समाज के सामर्थ नागरिकों को तन, मन, धन से जरूरतमंदों की सेवा करनी चाहिए। इस अवसर पर सुमन शिंगला, निशा गर्ग, बबीता गर्ग, सरोज आहूजा, नीलम, ज्योतिका सक्सेना व उपाध्यक्ष ज्योत्सना गर्ग आदि मौजूद रहे।

पानीपत। नारी कल्याण समिति की सदस्यगण, जरूरतमंदों को राशन भेंट करते हुए।

पुलिस ने किया गांव झांबा में नशे के विरूद्ध ग्रामीणों को जागरूक

ग्राम पंचायतें व सामाजिक संस्थाए अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

■ नशे की लत छुड़वाने के लिए निशुल्क उपचार होगा

पानीपत जिला पुलिस अपने स्तर पर नशे के खिलाफ जोरदार अभियान चलाए हुए हैं। पुलिस द्वारा जन जागरूकता अभियान ने रफ्तार पकड़ी हुई है। जिसके तहत नशा तस्करों पर शिकजा कसा जा रहा है। नशा मुक्ति अभियान के दौरान पुलिस ने शनिवार को झाम्बा गांव में डोर टू डोर अवेयरनेस प्रोग्राम करके व गांव के लोगों को एकत्र करके सभी ग्रामवासियों को नशा करने के दुष्परिणाम बारे विस्तृत जानकारी देकर अपने जीवन में नशा नहीं करने बारे, नशा करने के दुष्परिणाम बारे विस्तृत जानकारी दी। नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम डीएसपी नरेन्द्र कादियान के नेतृत्व में किया गया। वहीं, कार्यक्रम में एएसआई जगपाल सिंह ने लोगों को समझाया कि नशा की बुराई से मनुष्य के जीवन में कितने प्रकार की समस्याएं खड़ी होती हैं,उसका स्वास्थ्य दिनों दिन खराब होता जाता है। धन की हानि भी होती है। सामाजिक प्रतिष्ठा भी धीरे-धीरे गिरने लगती है। जगपाल सिंह ने बताया कि सरकारी अस्पताल पानीपत में पुलिस द्वारा फ्री इलाज करवाया जाता है। जो व्यक्ति नशा बेचते हैं उनकी शिकायत करने बारे हेल्पलाइन नंबर 1933 बारे सभी ग्राम वासियों को जानकारी दी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एएसआई जगपाल ने कहा सभी ग्राम पंचायतें व सामाजिक संस्थाए अपनी अग्रणी भूमिका निभाएं ताकि समाज को पूरी तरह से नशा मुक्त व अपराध मुक्त किया जा सके। शनिवार को गांव के चौकीदार, सरपंच व पंचों की मौजूदगी में गांव में मुनादी व अलाउंसमेंट करवा कर सभी गांव वासियों को जागरूक किया गया।

इंसान की तरक्की की राह है शिक्षा : जोगिंद्र

इसराना। पानीपत के गांव मांडी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में संस्कृत विषय में अधिकतम अंक प्राप्त होने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य जोगिंद्र बेनीवाल ने की। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृत प्राध्यापक जोगिंदर सिंह ने किया। मंच संचालन संजय कुमार शास्त्री ने किया। विद्यालय के जिन विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति चयन सूची में स्थान प्राप्त किया है उनका सम्मान किया गया। जिसमें विद्यालय के नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा के 42 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। शिक्षा इंसान की तरक्की की राह है। कार्यक्रम में बारहवीं कक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली पांच छात्राओं साक्षी, दीपांशी, नैंसी, राशि विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य दिलावर सिंह व प्रधानाचार्य जोगिंद्र बेनीवाल ने संयुक्त रूप से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

पानीपत। राजकीय माडल संस्कृति स्कूल पौधारोपण कर टीचर्स व स्टूडेंट्स।

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में आक्सीजन पार्क बनाया

पानीपत। राजकीय माडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्राचार्या डॉ. प्रतिमा शर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चे को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। जिससे हम स्वच्छ और साफ वातावरण में रहकर निरोगी जीवन जी सकें। प्राचार्या डॉ.प्रतिमा शर्मा ने कहा कि पानीपत कब डी ओ सी हरिओम प्रकृति प्रेमी और पर्यावरण संरक्षक हैं जो लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। वाइस प्राचार्या रामहेर ने स्कूल प्रांगण में आक्सीजन पार्क बनाने के लिए कब डीओसी हरिओम का धन्यवाद किया गया। प्राचार्या डॉ.प्रतिमा शर्मा और डीओसी हरिओम ने सभी बच्चों और पानीपत वासियों से अपील की है कि बारिश का मौसम चला हुआ इसलिए सभी अधिक से अधिक पौधारोपण करें और पानीपत को हरा-भरा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

खबर संक्षेप

शराब तस्करी मामले में 50 बोतल सहित दो काबू

अंबाला। थाना अंबाला शहर की नई अनाज मंडी से शराब की तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपी गौरव व कार्तिक को 50 बोतल शराब सहित काबू किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी शराब की तस्करी करते हैं। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों पर रेड कर उन्हें शराब समेत काबू कर लिया। उनके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस भी दर्ज किया गया है।

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी अंकित को गिरफ्तार किया है। निहारसी के विजय कुमार ने 21 अगस्त 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 15 अगस्त 2025 इंदिरा पार्क के पास से आरोपी ने उसकी मोटरसाईकिल चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

सीआईए-1 ने लूट में चार आरोपियों को पकड़ा

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज लूट के मामले में सीआईए-1 ने आरोपी अमित व साहिल कुमार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में चार किशोरों को भी संरक्षण में लिया गया है। परिवादी राकेश कुमार ने 28 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि भोला धर्म कांटा जगाधरी रोड के पास से 5/6 आरोपियों ने मारपीट करते हुए उसकी मोटरसाइकिल व मोबाइल लूट लिया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

बराड़ाः रोचक गतिविधियों को लेकर कार्यक्रम

बराड़ा। अकाल अकादमी होली के अंग्रेज़ी विभाग की ओर से विद्यार्थियों की भाषाई एवं संचार कौशल को निखारने के उद्देश्य से स्पेलिंग बी, पब्लिक स्पीकिंग प्रतियोगिता और समूह चर्चा जैसी रोचक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी हाउसों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह और आत्मविश्वास के साथ भाग लेकर अंग्रेज़ी भाषा में अपने ज्ञान और धाराप्रवाहता का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

फायरिंग करने वाले आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना नारायणगढ़ में दर्ज फायरिगं करने व जान से मारने का प्रयास करने के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी मनदीप को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया है।

आरोपी ने बताया था कि आरोपी निर्मल सिंह भी मामले में संलिप्त है। अब पुलिस ने आरोपी निर्मल सिंह को भी काबू किया है। वारदात में प्रयुक्त गाड़ी व हथियार पहले बरामद किए जा चुके है। मानकपुर के वितेश कुमार ने 11 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपियों ने कॉलेज रोड पर उसके ऊपर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

शिक्षा के साथ जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही एआई

डीएवी कॉलेज में शिक्षा और शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुप्रयोग : अवसर और चुनौतियां विषय पर आयोजित हुई संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के डीएवी कॉलेज (लाहौर) की महात्मा हंसराज लाइब्रेरी के तत्वाधान में शनिवार को "शिक्षा और शोध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का अनुप्रयोग : अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय बहुविषयक संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी उच्चतर शिक्षा निदेशालय हरियाणा द्वारा अनुमोदित थी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और डीएवी गान के साथ हुआ। प्राचार्य प्रो. राजीव महाजन, संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सुभाष शर्मा, सह-संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार तथा आयोजन सचिव डॉ. सुखदेव सिंह ने

अंबाला। डीएवी कॉलेज में मुख्य वक्ता को पौधा देकर अभिनंदन करते संगोष्ठी के आयोजक।

मुख्य वक्ता प्रो. मनोज कुमार जोशी और मुख्य अतिथि प्रो. संजीव शर्मा (अध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) का पौधारोपण एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य प्रो. महाजन ने महाविद्यालय प्रांगण में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज शिक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. प्रियंका मलिक ने गरिमामयी ढंग से किया। मुख्य वक्ता प्रो. जोशी ने शिक्षा और शोध में एआई की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इसके व्यावहारिक उपयोगों की चर्चा की। मुख्य अतिथि प्रो. संजीव शर्मा ने एआई की नैतिक और सामाजिक चुनौतियों को रेखांकित करते हुए इसके समुचित उपयोग पर बल दिया। पहले तकनीकी सत्र में कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रो. चंद्रकांत ने बॉयोमेट्रिक सुरक्षा विषय पर वक्तव्य दिया। एनआईटी कुरुक्षेत्र कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग के डॉ अंशु पराशर ने एआई के उच्च शिक्षा में उपयोग पर वक्तव्य दिया। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. बालेश कुमार, लाइब्रेरियन एसडी कॉलेज और डॉ. अनुप्रीत एस टीवाना, प्रोफेसर भूगोल विभाग माता गुजरी कॉलेज, फतेहगढ़ साहिब ने की। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. रुपेश गौर और डॉ. अंजू नागपाल ने की। तीसरी तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. अश्विनी शर्मा, डीएवी कॉलेज पेहवा और डॉ. राजेंद्र कुमार, डीएवी कॉलेज साढौरा ने की। डॉ. अजय कुमार अरोड़ा ने प्रौद्योगिकी का पुस्तकालय में प्रयोग विषय पर वक्तव्य दिया। संगोष्ठी के तीन तकनीकी सत्रों में 52 शोधकर्ताओं ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। एआई की संभावनाओं व चुनौतियों पर विचार रखे।

कुवि के पंजाबी विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह ने समापन सत्र की अध्यक्षता की

समापन सत्र की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पंजाबी विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप सिंह ने की। संगोष्ठी को सफल बनाने में डॉ. चांद सिंह, डॉ. जसमेर सिंह, डॉ. अत्तिमुक्त, डॉ. गरिमा सुमरान, डॉ. विनय गोयल, डॉ. मधु गोयल और प्रो. मीना मलिक का विशेष योगदान रहा। अंत में संयोजक डॉ. सुभाष शर्मा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। प्रासंगिक विषय और सार्थक विमर्श के कारण इस संगोष्ठी को व्यापक सराहना प्राप्त हुई।

शहजादपुर में री कृष्ण गउ नंदीशाला में कार्यक्रम आयोजित

सात गोशालाओं को बांटे 45 लाख के चेक, चारे का संकट होगा खत्म

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा बोले, हर जिले में 50 से 500 एकड़ में गोवंश अभ्यारण बनाने की योजना पर काम जारी

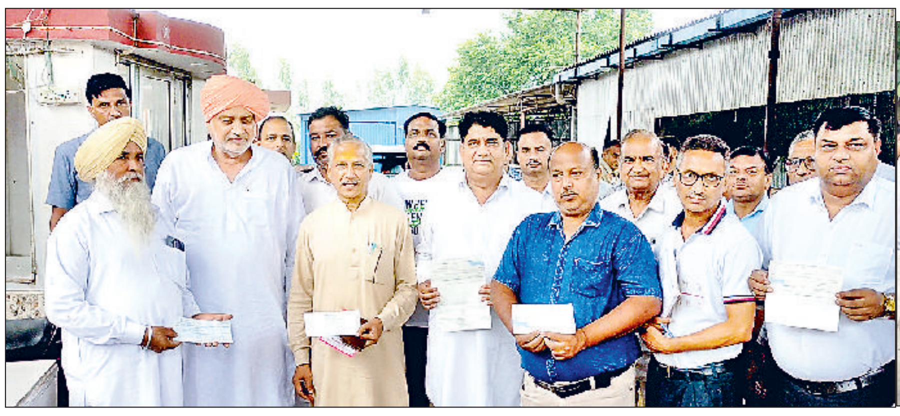

अंबाला। मंत्री श्याम सिंह राणा गोशालाओं को प्रबंधकों को चेक वितरित करते हुए।

मुलाना। गौशाला में गाय को प्रसाद खिलाते विधायक रामकुमार कश्यप व अन्य।

गोशालाओं को शेड निर्माण, सोलर प्लांट स्थापना व अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी सरकार अनुदान देती है।

इन गोशालाओं को मिले चेक

शहजादपुर स्थित श्री कृष्ण गउ नंदीशाला को 3,85,650 रुपये, प्राचीन पातालेश्वर महादेव गौशाला रजपुरा को 1,43,550 रुपये, बांके बिहारी ट्रस्ट शहजादपुर को 1,13,400 रुपये, श्री कृष्णा गौशाला समिति यंमकेश्वर तीर्थ हुसैनी नारायणगढ़ को 20,67,750 रुपये , महार्षि मारकंडेश्वर नंदीशाला टंगेल (मुलाना) को 6,83,100 रुपये के चेक बांटे गए। इस अवसर पर श्री कृष्ण गऊ नंदीशाला के प्रधान राजेश मित्तल ने मंत्री श्याम सिंह राणा को चार दीवारी व शैड निर्माण को लेकर मांग पत्र भी सौंपा। मौके पर प्रधान राजकुमार, प्रधान अजय गौतम, प्रबंधक सुमन गुप्ता तथा प्रधान रणजीत सिंह के साथ भाजपा मंडल प्रधान विक्रम राणा, नायब तहसीलदार अमित वर्मा, पशुपालन विभाग के एसडीओ डॉ. दलजीत सिंह, कृषि विभाग के अधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ शहजादपुर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने शनिवार को श्री कृष्ण गउ नंदीशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पांच गौशालाओं को 33 लाख 93 हजार 450 रुपए की चारा अनुदान राशि के चेक वितरित किए।

यहां अपने संबोधन में राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार गौशालाओं के संरक्षण और गौ-सेवा को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में चारा अनुदान राशि योजना के अंतर्गत यह राशि वितरित की गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार वे नारायणगढ़ विधानसभा के प्रभारी होने के नाते क्षेत्र की विभिन्न गौशालाओं को यह राशि वितरित कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार हर जिले में 50 से 500 एकड़ तक गोवंश अभ्यारण बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसमें गोबर गैस प्लांट, पानी, चारा एवं अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी ताकि गोवंश का बेहतर संरक्षण व देखभाल हो सके। उन्होंने बताया कि गौशालाओं को शैड निर्माण, सोलर प्लांट स्थापना व अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी सरकार अनुदान देती है। इसके अलावा बेसहारा गोवंश को गौशालाओं तक पहुंचाने का अभियान भी चलाया जा रहा है।

गोशालाओं के लिए 88 करोड़ जारी

मुलाना। इंद्री के विधायक राम कुमार कश्यप ने बताया कि भाजपा सरकार गौमाता की सेवा में तत्पर है। प्रदेश में गौशाला के संचालन के लिए समय समय पर हरियाणा गउ सेवा आयोग की ओर से ग्रांट भी उपलब्ध करवाई जाती हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने हरियाणा गौसेवा आयोग की ओर से उपलब्ध करवाई गई राशि के चेक गौरी शंकर गउ रक्षा समिति कालपी को 6 लाख 11 हजार 550 रूपए तथा बराड़ा स्थित श्री गोबिंद गउ शाला समिति को 15 लाख 75 हजार 450 रूपए की राशि के चे बांटे। इस दौरान कश्यप ने प्रतिनिधियों से गौशालाओं में रखे गए पशुओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने बताया कि गौशालाओं के और बेहतर संचालन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 88 करोड़ रूपए की राशि जारी की गई है। उन्होंने बताया कि गौशालाओं का बेहतर संचालन हो और कोई भी बेसहारा गोवंश सडक़ पर न रहें, उसके लिए हरियाणा गौसेवा आयोग द्वारा भी प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके समय रहते कार्य भी किए जा रहें हैं। इस मौके पर गौशालाओं के प्रतिनिधियों ने गौशालाओं के संचालन के लिए मिली राशि पर विधायक आभार भी व्यक्त किया। इस मौके पर जिला महामंत्री कर्मचंद गोल्डी सैनी, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र राणा टोबा, मंडल अध्यक्ष संजीव, मंडल अध्यक्ष डिंपल राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रमेश पाल नोहनी, मंडल महामंत्री जसवंत सिंह, रमन वासन, बलराम सैनी, गौशाला समिति कालपी से मान सिंह राणा, गौशाला समिति बराड़ा के प्रधान राजेश सिंगला व सुशील जैन, अशोक बंसल, मास्टर बृज मोहन, प्रमोद, हरदीप, रमेश कुमार, राजन, साहब सिंह गुज्जर, श्मशेर गौरी, हन्नी पाहवा, राम कुमार कालपी, जसवंत सिंह, पवन गुप्ता, देवेंद्र बंसल, भूपेंद्र चहल भी मौजूद रहे।

अंबाला। कैंप के दौरान आए मरीजों का रजिस्ट्रेशन करता अस्पताल स्टाफ।

कैंप में सेहत के साथ आंखों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

निशुल्क चिकित्सा शिविर में मरीजों को दवाएं भी दी गई

भगवान वाल्मीकि प्रबंधक कमेटी की ओर से शनिवार को निशुल्क हेल्थ और आंखों का चेकअप कैंप आयोजित किया गया। अंबाला शहर नहान हाउस स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर के समीप कम्युनिटी सेंटर में इन शिविरों का आयोजन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी अमित पंवार व डॉ. सादिक ने शिरकत की।

यहां पहुंचने पर भगवान वाल्मीकि प्रबंधक कमेटी द्वारा मुख्य अतिथि अमित पंवार व डॉक्टर सादिक का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद मुख्यअतिथि अमित पंवार व डॉक्टर सादिक ने रिबन काटकर कैंप का शुभारंभ किया। कैंप में आए लोगों का मिशन अस्पताल के डायरेक्टर डॉक्टर सादिक व उनकी टीम द्वारा लोगों का चेकअप किया गया। यह कैंप भगवान वाल्मीकी प्रबंधक कमेटी के प्रधान रविकांत की अध्यक्षता में लगाया गया। इस दौरान भगवान वाल्मीकि प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग

बराड़ा। संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा करना और अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों को साझा करना था। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों द्वारा सह-पाठयक्रम गतिविधियों के अंतर्गत तैयार की गईं सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं चित्रकला विषयों से संबंधित चार्ट्स, मॉडल्स, वर्किंग मॉडल्स और कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं।

महावीर पार्क बंद होने से सैर करने वाले परेशान

तालाब में दो छात्राओं के डूबने से हुई मौत के बाद से बंद है पार्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

एक महीने से महावीर पार्क बंद होने के कारण लोग बेहद परेशान हैं। पार्क को खुलवाने के लिए लोग रोज मांग कर रहे हैं।

हररोज सैर संगठन ने शनिवार को को अपना रोष जताते हुए पार्क को खुलवाने की मांग रखी। संगठन के अधिकारियों ने कहा कि बच्चियों की मौत के बाद से ही पार्क बंद पड़ा है। ऐसे में संगठन के 40 सदस्य इधर-उधर सड़कों पर ही सैर करने को मजबूर हैं।

पार्क खुलवाने के लिए उन्होंने कमिशनर से लेकर मेयर और पूर्व विधायक से भी गुहार लगाई है। मगर उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है। संगठन के सदस्य रामकुमार गोयल, कैशियर महेंद्र सिंह चावला, प्रदीप बजाज, राजेंद्र वर्मा, कोषाध्यक्ष देवराज गुलाटी ने कहा कि रोड पर सुबह के समय ही वाहनों की आवाजाही ज्यादा हो जाती है व आवारा पशु भी घूमते रहते हैं। इसके कारण हादसों का डर सताता रहता है। प्रशासन को चाहिए कि पार्क में झील के साथ लगते एरिया के पास ऊंची ग्रिल लगाकर सेफ्टी का इंतजाम किया जाए।

जून तक सड़कों की मरम्मत का वादा अधूरा

बराड़ा। विधानसभा के मानसून सत्र में मुलाना की विधायक पूजा ने राज्य की सड़कों की दयनीय स्थिति को लेकर सरकार पर तीखा प्रहार किया। विधायक ने लोक निर्माण मंत्री से सवाल किया कि सरकार द्वारा जून 2025 तक प्रदेश की सभी सड़कों की मरम्मत का जो वायदा किया गया था, उसे पूरा क्यों नहीं किया गया। जवाब में मंत्री ने बताया कि प्रदेश की 30,403 किलोमीटर लंबी सड़कों में से 3,487 किलोमीटर पर काम चल रहा है, जिसे 31 दिसंबर 2025 तक पूरा किया जाएगा। वहीं 6,179 किलोमीटर लंबाई की सड़कों को वर्क प्रोग्राम 2025-26 के तहत मंजूरी दी गई है। इन पर सितंबर से काम शुरू होगा और 31 मार्च 2026 तक पूरा किया जाएगा। मुलाना विस क्षेत्र की बात करें तो यहां पीडब्ल्यूडी की 448 किलोमीटर लंबी सड़कों में से 193.534 किलोमीटर का रखरखाव संविदा एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है। 122.769 किलोमीटर सड़कें खराब हालत में हैं जिनकी मरम्मत भी वर्क प्रोग्राम 2025-26 के अंतर्गत सितंबर से शुरू होकर मार्च 2026 तक पूरी होगी।

विधायक पूजा चौधरी।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय व रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर

खून की कोई फैक्ट्री नहीं, रक्तदान के जरिए इंसान ही इंसान की बचा सकता है जान: नीति दीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

बराड़ा। रक्तदानियों को बैज लगाते हुए मुख्यातिथि।

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति दिवस पर भव्य रक्तदान शिविर लगाया

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय व रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शैमफॉर्ड स्कूल में राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्य स्मृति दिवस पर भव्य रक्तदान महादान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीएसपी रहे जबकि विशेष अतिथि के रूप में भाजपा महामंत्री रीचा पहावा तथा मोटिवेशनल स्पीकर बीके नीति दीदी उपस्थित रहीं। नीति दीदी ने रक्तदान को मानवता का सर्वोच्च कार्य बताते हुए कहा कि रक्त की कोई फैक्ट्री नहीं है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। हमारे रक्त से किसी की जान बच सकती है। यही वास्तविक महादान है। सविता दीदी ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है जिससे समाज में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार होता है। मंच पर रोटरी क्लब के प्रधान हरपाल सिंह, सिविल अस्पताल के एसएमओ. शैमफॉर्ड स्कूल के चेयरमैन इंद्रजीत सिंह, प्रिंसिपल रूबी शर्मा, सुमन शर्मा, राजकुमार सांगवान, दिलप्रीत सिंह, प्रमोद जैन, देविंदर बंसल, हीना पाहवा, राजेश दीवान सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर पालिका चेयरमैन रजत मलिक, एंजल स्कूल के मैनेजर पुष्पिंदर राणा, थाना से विश्व बंधु सहित अनेक सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं के पदाधिकारी भी शामिल हुए। शिविर में आए सभी रक्तदाताओं का स्वागत तिलक व बैज पहनाकर किया गया तथा उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में लगभग 250 भाई-बहनों ने सहभागिता की। उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया।

दादी प्रकाशमणि के स्मृति दिवस पर 100 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वें स्मृति दिवस पर अंबाला शहर के कंचर घर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। केंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के मार्गदर्शन में सिटी प्लाज़ा में शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान 100 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। शिविर के शुभारंभ में मुख्यअतिथि डीएसपी विजय ने किया।

उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी सिर्फ ब्लड डोनेशन कैंप ही नहीं ये नशा मुक्ति अभियान में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। ये बड़ी ईमानदारी से काम कर रही हैं। समाज सुधार में इनका बहुत ही विशेष योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन भी ब्रह्माकुमारीज के ऐसे कार्यों में उनका सदा से सहयोग करता रहा है। उन्होंने स्वयं भी ब्लड डोनेट किया। विशिष्ट अतिथि अनुज अग्रवाल ने कहा कि उन्हें ये बहुत अच्छा लगा कि ब्रह्माकुमारीज परिवार ने रक्तदान के लिए इस स्थान को चुना।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को एक बार जीवन में जरूर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान के लिए सभी को आगे आना चाहिए। ताकि जरूरतमंदों की जान बचाई जा सके। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने बताया कि 22 से 25 अगस्त तक देश और नेपाल के विभिन्न सेवा केंद्र इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। आगामी वर्ल्ड ब्रदर हुड ब्लड डोनेशन 2025 को भी एक विश्व रिकॉर्ड प्रयास के रूप में दर्ज किए जाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। रक्तदान न केवल किसी जरूरतमंद को जीवन देता है बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और भाईचारे की भावना को भी सशक्त करता है। शिवानी दीदी ने अपने संदेश में कहा कि प्रकाशमणि दादी ने अपना संपूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित किया। उनकी शिक्षाएं अब भी लोगों को सच्चाई सेवा और विश्व बंधुत्व के मार्ग पर प्रेरित कर रही हैं।

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेष: गणेश चतुर्थी 27 अगस्त

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

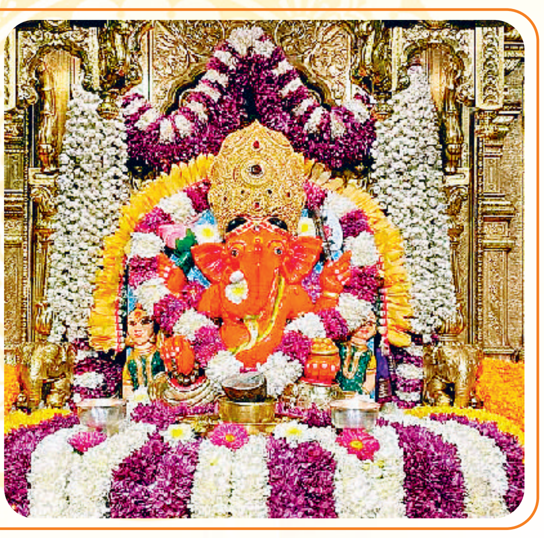

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोर्ट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोतुंग चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजन: गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापित: गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्व: यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजा: मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषतओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखा: दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

पुस्तक: दिल्ली की जीवनरेखा: दिल्ली मेट्रो,
लेखक: ऋषि राज, **मूल्य:** 460 रुपए,
प्रकाशक: नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाइटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगे। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

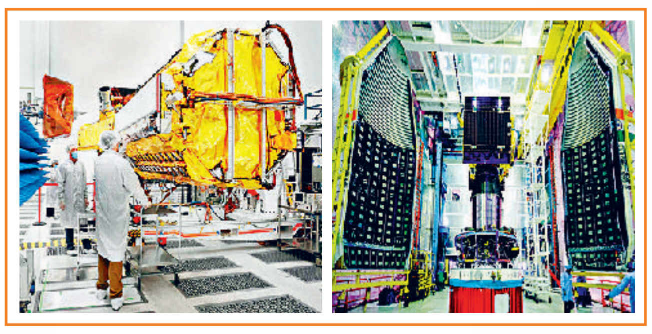

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस / प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

स्मरण / मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होंने पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

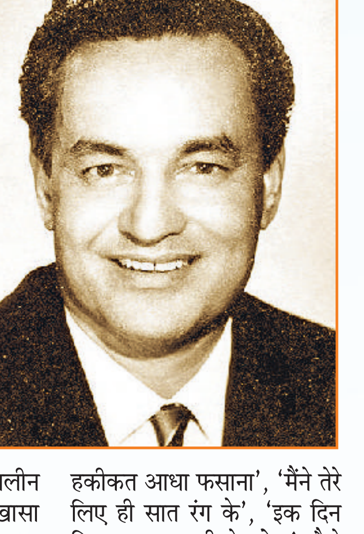

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां.. '*

नदी गाथा / वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *